वर्ष-01, अंक-79

दैनिक सांध्य

डिजिटल पेपर

नमस्ते बदायूं

आपके भरोसे की आवाज

बदायूं, गुरुवार 6 नवम्बर 2025, पेज-08 मूल्य 5 रुपए

बिहार में माफिया फर्स्ट नहीं, नौजवान फर्स्ट होगा

● सीएम योगी बोले-बिहार में यूपी मॉडल लागू होगा ● सीएम योगी ने परिहार विस क्षेत्र में की चुनावी सभा

सीतामढ़ी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को सीतामढ़ी जिले के परिहार प्रखंड के कोईरिया पिपरा गांव में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने परिहार विधानसभा से एनडीए प्रत्याशी गायत्री देवी के समर्थन में वोट मांगे और कांग्रेस व राजद पर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि एनडीए सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश की तर्ज पर बिहार में भी माफियाओं का सफाया किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया फर्स्ट नहीं, नौजवान फर्स्ट है का मॉडल लागू है और इसे बिहार में भी अपनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में परिहार के ऐतिहासिक महत्व का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह भूमि भगवान राम के अनुज लक्ष्मण के वंशजों द्वारा संरक्षित रही है। उन्होंने यहां की परंपरा, संस्कृति और देवी-देवताओं की महिमा को बिहार के लिए गौरवशाली बताया। विपक्ष पर हमला बोलते हुए योगी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद की सरकारों ने बिहार को पिछड़ेपन की ओर धकेला है, जबकि यहां के युवाओं में अपार प्रतिभा है।

आरजेडी के नेता बिहार की पूरी एक पीढ़ी का भविष्य खा गए

● पीएम मोदी बोले-राजद वाले र से रंगदारी-फ से सिर्फ फिरौती जानते हैं ● इनकी पाठशाला में घ से घोटाला और प से परिवारवाद की ट्रेनिंग होती है

अररिया (एजेंसी)। बिहार में पहले फेज की वोटिंग के बीच पीएम मोदी नवादा में सभा की। यहां उन्होंने कहा कि एक बार फिर से बिहार में एनडीए की सरकार बनेगी। आज पहले चरण का मतदान हो रहा है। बिहार की बेटियां अपने प्रदेश को जंगलराज से दूर रखने के लिए वोटिंग कर रही हैं। पीएम ने कहा कि, आरजेडी के पोस्टर में कांग्रेस के नामदार की कहीं तस्वीर लगी है क्या। इन दोनों पार्टियों में ही तनातनी चल रही है। कांग्रेस के नामदार बिहार आना भी नहीं चाहते थे, लेकिन इनको जबरदस्ती लाया गया है। पीएम ने कहा कि राजद वालों को फ फरौती, र से रंगदारी, प से परिवारवाद और घ से घोटाला ही सिखाया जाता है। इससे पहले पीएम मोदी ने अररिया में सभा की थी। वहां उन्होंने कहा था कि, आज बिहार में पहले चरण के लिए वोटिंग शुरू हो गई है। सोशल मीडिया पर शानदार तस्वीरें आ रही हैं। बूथों पर सुबह से लाइन लगी हैं। आज पूरे बिहार से एक ही आवाज आ रही है फिर एक बार एनडीए सरकार। आरजेडी के नेता बिहार की पूरी एक पीढ़ी का भविष्य खा गए। 2014 में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद बिहार के विकास में तेजी आई। पटना में एम्स,बोधगया में विकास हुआ।

● **कट्टा-क्रूरता ही इनकी पहचान है-** पीएम मोदी ने कहा कि,विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। आरजेडी और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं। इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां कटुता बढ़ाने वाली आरजेडी और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां आरजेडी और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता, ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते।

● **घुसपैठियों को सिर्फ एनडीए भगा सकती है-** घुसपैठिए हमारे प्रयासों के सामने एक बड़ी चुनौती है। एनडीए सरकार पूरी क्षमता और ईमानदारी से घुसपैठियों की पहचान कर रही है और उन्हें देश से बाहर निकालने के लिए काम कर रही है, लेकिन कांग्रेस और आरजेडी उन्हें बचाने में लगे हैं। उन्हें बचाने के लिए, वे तरह-तरह के झूठ बोलते हैं।

दही-चूड़ा और मखाने की खीर से एनडीए की जीत मनाएंगे

आप लोग मेरा एक काम कीजिएगा। घर-घर जाकर लोगों को हमारे काम के बारे में बताइएगा। उन्हें मेरा प्रणाम कहिएगा। हमारे लिए वोट करने को कहिएगा। 14 नवंबर को नतीजे एनडीए के पक्ष में ही जाएंगे और हम दही-चूड़ा और मखाने की खीर से एनडीए की जीत का जश्न मनाएंगे। अररिया में सभा के बाद प्रधानमंत्री भागलपुर पहुंचे। इस दौरान भागलपुर और बांका जिले की 12 विधानसभा क्षेत्रों को साधा। पीएम मोदी की सभा में भागलपुर, नवगछिया, मुंगेर और बांका से एक लाख से अधिक लोगों के शामिल हुए। भागलपुर और अररिया में 11 नवंबर को वोटिंग है। इसके बाद पीएम मोदी गयाजी के लिए रवाना हो गए और वहां सभा की।

ईसी के 3 अधिकारी, लोकतंत्र के साथ कर रहे हैं खिलवाड़

● प्रियंका बोलीं-चुनाव निष्पक्ष हुआ तो हमारी सरकार आएगी

मोतिहारी में कांग्रेस नेता ने कहा-पीएम हमारे फोटो नाप रहे

मोतिहारी (एजेंसी)। पहले फेज के चुनाव के बीच गुरुवार को प्रियंका गांधी पूर्वी चंपारण के गोविंदपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। प्रियंका गांधी में पीएम मोदी के बयान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी भाषण क्या देते हैं। कांग्रेस के पोस्टर पर आरजेडी की फोटो लगी है। आरजेडी की फोटो पर कांग्रेस की छोटी फोटो लगी है। देश के प्रधानमंत्री हैं क्या और कोई काम नहीं है, जो हमारे पोस्टर्स की फोटो नापे। कहते हैं हम आपका अपमान कर रहे हैं। प्रियंका ने कहा, हम आपके लिए अच्छे काम कर रहे हैं, लेकिन वो कहते हैं अपमान कर रहे हैं। कल राहुल गांधी ने दिखाया किस तरह से सरकार वोटों की चोरी कर रही है। ज्ञानेश कुमार, एसएस संधू, विवेक जोशी...ये चुनाव आयोग के 3 ऐसे अधिकारी हैं, जो देश के संविधान और लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इनके नाम याद कर लीजिए, ये तीनों आपके अधिकार छीन रहे हैं। अगर ये चुनाव निष्पक्ष हुआ तो हमारी सरकार आनी तय है। उन्होंने ने कहा कि चंपारण की धरती से ही आजादी के आंदोलन की शुरुआत हुई। यहां के किसानों की आवाज महात्मा गांधी तक पहुंची और वो यहां तक आए। आज अंग्रेजों का नहीं मोदी का साम्राज्य है। इस राज में सब कुछ मंहगा हो गया है। प्रियंका ने आगे कहा कि, बिहार में एक जमाने में बड़े-बड़े पुल बने थे। अब हाल ये है कि 3 साल में 27 पुल गिरे हैं। आज आप संघर्ष कर रहे हैं।

अनैतिक शब्दों के इस्तेमाल वाली वेबसाइट्स पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोर्न वेबसाइट्स पर सरकार ने कई बार प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया है। बावजूद इसके सरकार को सफलता नहीं मिली। इन सबके बीच केंद्र सरकार अब एक ऐसा कंटेंट प्रतिबंध करने की तैयारी में है, जिसमें रिश्तों के बीच अनैतिक संबंधों से जुड़े शब्दों का इस्तेमाल किए जा रहे कंटेंट प्रसारित की किया जाता है। सरकार का उद्देश्य है कि रिश्तों के लिए गढ़े गए ऐसे शब्द और उससे जुड़ा कंटेंट प्रतिबंधित करने के लिए के लिए सर्विस प्रोवाइडर्स (आईएसपी) को जल्द गाइडलाइन जारी होगी। आईटी मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि चाइल्ड पोनोग्राफी के अलावा अन्य कई अश्लील कंटेंट इंटरनेट पर मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैरकानूनी श्रेणी में नहीं आते। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकार के कंटेंट को भारत में पूरी तरीके से प्रतिबंधित करना कठिन है।

छिटपुट घटनाओं के बीच बिहार में बंपर वोटिंग

● मतदान को लेकर महिलाओं और जेन जी में दिखा जबर्दस्त उत्साह

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले फेज में 18 जिलों की 121 सीटों पर अबकी बार बंपर वोटिंग हुई है। शाम 6 बजे तक 65 फीसदी से ज्यादा मतदान की खबर है। हालांकि कुछ सीटों पर 5 बजे वोटिंग खत्म हो गई। दोपहर 3 बजे तक 53.77 वोटिंग हुई है। आज की 121 सीटों में 104 सीटों पर सीधा मुकाबला है, जबकि 17 सीटों पर त्रिकोणीय लड़ाई है। बिहार की 243 सीटों पर 2 फेज में चुनाव हो रहे हैं। 14 नंवबर को नतीजे आएंगे। वैशाली में राजद प्रत्याशी के भड़काने पर लोगों ने सीआरपीएफ जवानों पर पत्थर फेंके। दरअसल, आरजेडी प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ जुटे हुए थे, जवानों ने उन्हें हटाया तो हंगामा हो गया। हालांकि, इसमें किसी को चोट नहीं आई है। सीवान के गोरेया कोठी विधान सभा के लकड़ी नवीगंज प्रखंड की बूथ संख्या 349-350 पर बीजेपी प्रत्याशी देवेशकांत सिंह का घेराव हुआ।

मेला ककोड़ा
लौटना शुरू हुए श्रद्धालु

- देहात क्षेत्र के लोगों से अभी भी गुलजार है मेला
- जबरदस्त खरीदारी से दुकानदारों के चेहरे खिले

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। ककोड़ा मेला से कल्पवासी अब धीरे-धीरे तंबू-डेरा समेटकर लौटने लगे हैं। बृहस्पतिवार शाम से लोग घरों को लौटना शुरू हो गए। अब मेले में आसपास के देहात क्षेत्रों के ही लोग बचे हैं। दुकानें अभी सजी हैं। जिन पर बृहस्पतिवार को खरीदारों की भीड़ लगी रही। गंगा घाट पर अपेक्षाकृत कम भीड़ नजर आई। धीरे-धीरे अब भीड़ कम होती चली जाएगी।

रुहेलखंड का मिनी कुंभ कहे जाने वाले मेला ककोड़ा में हजारों लोगों के साथ संतों ने भी कल्पवास किया। मेले में कल्पवासी मुख्य स्नान से एक दिन पहले मंगलवार को ही आ गए थे। बुधवार को मुख्य स्नान होने के बाद लोगों ने रात भर यहां मेले का आनंद लिया। बृहस्पतिवार को सुबह स्नान कर दिन भर मेला घूमा। इसके बाद शाम को गंगा मां को प्रणाम करके घरों को लौटना शुरू हो गए। लोग अपने निजी वाहनों से लौटने लगे। जिस कारण बदायूं-ककोड़ा मार्ग पर जबरदस्त जाम रहा। बताया जा रहा है कि शुक्रवार से कल्पवासी लौटना शुरू हो जाएंगे। प्रशासन ने 12 नवंबर तक मेले की घोषणा की है। इसके बाद मेला उखड़ना शुरू हो जाएगा।

मेले में जमकर हुई खरीदारी

ककोड़ा मेले में स्नान के बाद लोगों ने घरेलू सामान की खूब खरीदारी की। मेले में अब अधिकांश देहात क्षेत्र के लोग बचे हैं। ऐसे में सिलबट्टा, बर्तन, रसोई का सामान आदि महिलाएं खरीदती नजर आईं। मीनाबाजार में दिन भर खासी भीड़ रही। मौसम खुशगवार होने से झूले वालों की इस बार खासी कमाई हुई। दिनभर झूले चले। दुकानदारों का कहना है कि इस बार पिछले साल की अपेक्षा मेला ज्यादा अच्छा रहा।

आस-पास के इलाकों से आए लोग

मेले में स्नान के बाद दूसरे दिन गंजडुडवारा,सहावर और सोरों से भी श्रद्धालु मेला पहुंचे। बता दें तमाम ऐसे भी लोग हैं जो मेले में स्नान के दूसरे दिन पहुंचते हैं। दरअसल मुख्य स्नान वाले दिन मेले में लाखों की भीड़ होती है। ऐसे में वहां तंबु तक लगाने की जगह नहीं मिलती। चूंकि शहरी आबादी के लोग स्नान के बाद चले जाते हैं ऐसे में आस पास के देहात क्षेत्र के लोग दूसरे दिन मेले का आनंद लेते हैं।

ककोड़ा मेला मार्ग पर रहा दिन भर जाम

- मेला स्थल से मुख्य मार्ग तक पहुंचने में लगा डेढ़ से दो घंटा
- दोपहर बाद से देर शाम तक जारी रहा जाम

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। ककोड़ा मेला स्थल में आने व जाने वाले लोगों को बृहस्पतिवार को जाम का झाम झेलना पड़ा। दरअसल मेले में बृहस्पतिवार को लोगों के आने का सिलसिला जारी रहा। वहीं स्नान करके लोग लौट भी रहे थे। ऐसे में मेला स्थल से मुख्य मार्ग को जाने वाले मार्ग पर जाम लग गया। हालांकि पुलिस यहां तैनात रही लेकिन गाड़ियों की संख्या इतनी थी कि पुलिस ज्यादा कुछ कर नहीं सकी। यहां करीब दो किलोमीटर तक जाम लगा रहा। देर शाम तक यहां ऐसे ही हालात बने हुए थे। हाल यह था कि मेला स्थल से मुख्य मार्ग पहुंचने में करीब दो घंटे का समय लग रहा था।

ककोड़ा मेला मुख्य स्नान के दूसरे दिन भी गुलजार रहा। बुधवार को मुख्य स्नान वाले दिन लाखों लोग मेले में आए। मुख्य स्नान के दूसरे दिन बृहस्पतिवार दोपहर बाद से अब लोग जाने भी लगे। वहीं स्नान के दूसरे दिन भी मेले में लोगों का आना जारी रहा। ऐसे में मेले के मुख्य मार्ग पर जाम लगा रहा। दोपहर बाद हालत ज्यादा खराब हो गए। आने व जाने वाले वाहनों की कतार के चलते करीब दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया। हाल यह था कि पैदल चलने वाले भी सड़क पर नहीं निकल पा रहे थे। रास्ता सही न होने व बीच में दलदल होने के चलते समस्या और बढ़ गई। इसको लेकर लोगों ने खासी नाराजगी जताई।

प्रिय पाठकों

नमस्ते बदायूं अब आपको दे रहा है रिपोर्टर बनने का मौका। अगर आपके आस-पास कोई समस्या है जिम्मेदार नहीं सुन रहे हैं तो उठाइए कलम और हमें लिख भेजिए। आप हमें फोटो भी भेज सकते हैं। इसके अलावा बदायूं की संस्कृति,धरोहर व इतिहास आदि पर अपने लेख भी भेज सकते हैं। अपने लेख व फोटो को 9456803141 व 7906354712 पर व्हाट्सअप करें। इसके अलावा namastaybudaun.com पर मेल भी कर सकते हैं।

रेलवे पेंशनरों को जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना हुआ आसान

लाइफ सर्टिफिकेट के लिये रेलवे पेंशनरों को नहीं होना पड़ेगा परेशान, चलाया जा रहा डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 4.0

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। यह खबर पूर्वोत्तर रेलवे के पेंशनधारियों के लिए खासे काम की है। पूर्वोत्तर रेलवे पर डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट अभियान 4.0 चलाया जा रहा है। जिसके द्वारा पेंशनरों या पारिवारिक पेंशनरों के लिये जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सरल एवं आसान बनाया गया है। परंपरागत रूप से, पेंशनभोगियों को अपनी पेंशन निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये प्रत्येक वर्ष माह नवम्बर में बैंक जाना आवश्यक था। इस अभियान के अन्तर्गत पेंशनरों को ऑनलाइन जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने का विकल्प प्रदान किया गया है, जिससे समय की बचत होगी। वरिष्ठ पेंशनरों के लिये विशेषकर लाभदायक होगा। एक आसान प्रक्रिया के माध्यम से पूर्वोत्तर रेलवे अपने पेंशनरों को सशक्त बनाने के साथ ही जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने को सुव्यवस्थित करना है।

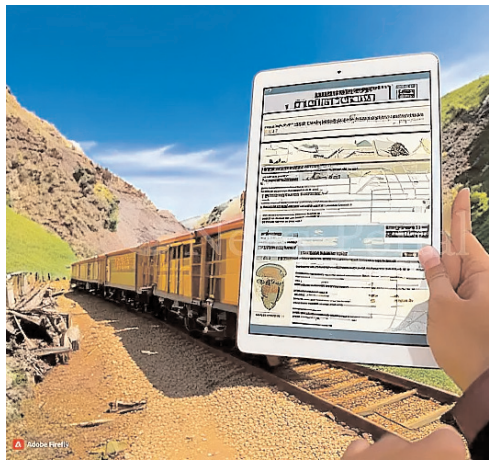

पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि इस अभियान में भाग लेने के लिये पेंशनरों या पारिवारिक पेंशनरों को गूगल प्ले स्टोर से यू.आई.डी.ए.आई. द्वारा ''आधारफेस आर.डी. (अर्ली एक्सेस) एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा। इसके पश्चात पेंशनरों को गूगल प्ले स्टोर से 'जीवन प्रमाण एप इंस्टाल करना होगा। दोनों एप के इंस्टाल होने के बाद, ऑपरेटर एथेन्टीकेशन स्क्रीन खुलेगा जहां पर स्टेप वाइज आगे बढ़ते हुए डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा। किसी भी संशय की स्थिति में पूर्वोत्तर रेलवे के कार्मिक विभाग, लेखा विभाग अथवा संबन्धित बैंक से सम्पर्क किया जा सकता है। इसका उपयोग करके, पेंशनभोगी घर से अपने जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं तथा भौतिक यात्राओं की आवश्यकता के बिना सुविधाजनक एवं कुशल प्रक्रिया का आनन्द ले सकते हैं।

पूर्व विधायक के प्रतिनिधि की सड़क हादसे में मौत

● अलापुर में बृहस्पतिवार की सुबह हुआ हादसा

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। अलापुर क्षेत्र में सुबह टहलने निकले शरीफ अंसारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह पूर्व विधायक सिनोद शाक्य के प्रतिनिधि भी रह चुके हैं। घटना के बाद शरीफ के परिवार में कोहराम मच गया। अलापुर के वार्ड 11 के रहने वाले शरीफ अंसारी बृहस्पतिवार की सुबह हर रोज की तरह टहलने निकले थे। कंचनपुर धड़ा गांव के बाजार के पास से गुजरते समय तेज गति से आती डीसीएम ने उन्हें टक्कर मार दी। इसके बाद बेकाबू डीसीएम चालक आगे जा रहे एक ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मारते हुए भाग गया। इधर, टक्कर लगते ही शरीफ गिर पड़े। मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस व घर वाले आ गए। शरीफ को परिवार वाले अस्पताल ले जा रहे थे लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। जिसके बाद परिवार वाले शव को लौटाकर अलापुर ले आए। शरीफ की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। शरीफ अंसारी विधायक रह चुके सिनोद शाक्य के प्रतिनिधि रह चुके हैं। जानकारी होने पर अलापुर व आस पास के तमाम लोग उनके घर जा पहुंचे। वहीं पुलिस बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरों से टक्कर मारने वाली डीसीएम की पहचान करने में जुटी है।

मेले जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

● उझानी-कादरचौक मार्ग पर हुआ हादसा

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। ककोड़ा मेले जा रहे एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई।झ्र युवक की मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया। टक्कर मारने वाले वाहन का पता नहीं चल सका। कादरचौक क्षेत्र के 22 वर्षीय सुहैल बुधवार की शाम को बाइक से ककोड़ा मेले घूमने जा रहा था। उसके दोस्त व गांव के लोग पहले ही मेले में चले गए थे। उनके बुलाने पर बुधवार शाम को सुहैल भी बाइक से मेले में जा रहा था। शाम करीब छह-सात बजे अंधेरा होने पर उझानी-कादरचौक मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे सुहैल गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान सुहैल की मौत हो गई। सुहैल की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। सुहैल इकलौता बेटा था तथा अपनी तीन बहनों में सबसे बड़ा था। परिवार मेहनत मजदूरी करता है। उसकी मौत से पूरा परिवार की आस टूट गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकरजांच शुरू कर दी है।

ट्रेन की चपेट में आकर महिला की मौत

● घटपुरी स्टेशन के पास हुआ हादसा

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। घटपुरी रेलवे स्टेशन के पास बुधवार रात को एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। जानकारी होने पर जीआरपी मौके पर पहुंची। शव को ट्रैक से हटाया। महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। बिनावर क्षेत्र में घटपुरी रेलवे स्टेशन के पास हादसा रात करीब 11 बजे होना बताया जा रहा है। इस दौरान कासगंज की तरफ से बरेली मालगाड़ी जा रही थी। आशंका जताई जा रही है कि हादसा इसी मालगाड़ी से हुआ होगा। ट्रैक के पास महिला का शव पड़े होने की सूचना लोगों ने बिनावर थाना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन मामला जीआरपी का निकला। इस पर बिनावर पुलिस ने जीआरपी को घटना की जानकारी दी। इसके बाद जीआरपी ने महिला के शव को हटवाकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। महिला मुस्लिम बताई जा रही है। जीआरपी ने आस पास के गांवों में सूचना भिजवाई लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। जीआरपी महिला के शव की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। आस-पास के थानों में महिला का फोटो भेज दिया गया है जिससे की उसकी शिनाख्त हो सके।

बिसौली का होटल राव सील

कॉलेज के लड़के-लड़कियों के आने के वीडियो हुए थे वायरल, शिकायत के बाद पहुंचे पुलिस व अधिकारी

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। बिसौली में होटल राव को अश्लील गतिविधियों की शिकायत पर सील कर दिया गया। बताया जा रहा है कि यहां पर स्कूली छात्र-छात्रा आते थे। होटल से लड़कियों के निकलने के वीडियो भी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को मिले थे।

बिसौली नगर में दबतोरी रोड पर राव होटल में देह व्यापार की शिकायतें मिल रही थीं। बताया जा रहा है कि होटल में कॉलेज के लड़के-लड़कियां भी आते हैं। काफी समय से इसको लेकर नगर में चर्चा चल रही थी। बृहस्पतिवार को शिकायत पर पहले पुलिस यहां पहुंची। साथ में महिला पुलिस भी थी। इसके बाद नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। यहां लोगों ने बताया कि ड्रेस में लड़के लड़कियां यहां आ रहे हैं। इसके होटल से कॉलेज ड्रेस में लड़कियों को निकलने के फोटो भी वायरल हो रहे हैं। इसी आधार पर अधिकारियों ने होटल को बंद करा दिया। उसमें ताले डाल दिए गए। होटल में पुलिस का छापा व यहां से लड़कियों के निकलने का मामला नगर में खासी चर्चा का विषय बना हुआ है।

बदायूं में भी कुछ होटलों में हो रहा ये काम

बदायूं शहर में भी कई होटलों में यह काम हो रहा है। बरेली रोड की तरफ से आते समय एक होटल से सटा हुआ रेस्टोरेंट चलता है। बताया जाता है अंदर से ही इसमें होटल में जाने का रास्ता है। यहां अक्सर मुंह पर ढाटा बांधे लड़के लड़कियां आते जाते दिख जाएंगे। खास बात यह है कि इस रेस्टोरेंट में अगर कोई सामान्य नागरिक चला जाए तो यहां खाने-पीने का कुछ भी सामान नहीं मिलेगा। हालांकि जो अच्छे होटल हैं व इन सब कामों से दूर हैं।

दो मजदूरों के घर चोरी

बदायूं। जरीफनगर में चोरों ने एक ही रात में दो घरों में चोरी कर ली। ग्राम मोहम्मदपुर कूड़ई में बुधवार रात हुई चोरी की इस घटना का पता बृहस्पतिवार की सुबह चला। इस घटना में चोरों ने दो घरों से सामान चुरा लिया। गांव के बिजेंद्र, हेतराम दूसरे जिलों में रहकर मजदूरी करते हैं। उनके घरों में ताले पड़े हुए थे। बुधवार की रात को चोरों ने ताले तोड़कर घरों में रखा सामान चोरी कर लिया। बृहस्पतिवार को सुबह लोगों ने जब ताले टूटे देखे तो उन्हें चोरी का पता चला। अंदर घर में सारा सामान बिखरा पड़ा हुआ था। ग्रामीणों की तरफ से पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाद से ग्रामीणों में दहशत है। उन्होंने पुलिस से यहां नियमित गश्त करने की मांग की है।

ककोड़ा में नहाते समय युवक डूबा, मौत

नमस्ते बदायूं

संवाददाता। ककोड़ा में नहाते समय एक युवक गहरे पानी में चला गया। इससे डूबकर उसकी मौत हो गई। युवक को बचाने के लिए गोताखोर व पीएसी के जवान मौके पर पहुंचे। लेकिन उनके प्रयास काम न आ सके। शव निकालने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। युवक की मौत से उसके घर में कोहराम मचा हुआ है।

कादरचौक के दुर्जन नगला गांव निवासी 31 वर्षीय चरण सिंह परिवार व गांव के लोगों के साथ ट्रैक्टर ट्राली से ककोड़ा मेले में आया था। मेले में आने के बाद वह थोड़ा घूमकर इसके बाद स्नान करने चला गया। स्नान के दौरान उसका पैर एकाएक गहरे पानी में चला गया जिससे वह डूबने लगा। चरण सिंह को डूबता देख आस पास स्नान कर रहे लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया। चीख पुकार मचने पर पीएसी के जवान व गोताखोर आ गए। तब तक चरण सिंह पानी में डूब चुका था। काफी प्रयास के बाद गोताखोरों ने चरण सिंह का शव बाहर निकाला। यह देखकर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताते हैं कि चरण सिंह अपने परिवार का इकलौता लड़का था। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। घर में अब चरण सिंह की पत्नी और बच्चे बचे हैं। इनका रो-रोकर बुर हाल है।

अब कुंवरगांव में मिले गोवंश के अवशेष

कुंवरगांव के हुसैनपुर गांव में ग्रामीणों ने देखे अवशेष, सूचना पर पहुंची पुलिस, अब तस्करों की तलाश

नमस्ते बदायूं

बदायूं। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के हुसैनपुर गांव में बृहस्पतिवार सुबह गोवंश के अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीण जब एक गन्ने के खेत के पास पहुंचे तो वहां बिखरे पड़े अवशेष देखकर दंग रह गए। कुछ ही देर में यह खबर पूरे गांव में फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।झ्र सूचना पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस ने अवशेष कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं तथा घटना स्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि जिले में गोवंश के अवशेष मिलने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ दिन पहले सहसवान और बिनावर क्षेत्र में भी इसी तरह की घटनाएं हुई थीं। बिनावर में तो पुलिस ने दूसरे दिन ही कार्रवाई करते हुए हाफ एनकाउंटर में गोतस्करों को गिरफ्तार किया था।अब हुसैनपुर गांव में अवशेष मिलने के बाद लोगों के बीच चर्चा है कि क्या पुलिस इस बार भी उसी तरह सख्त कार्रवाई करेगी। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से इलाके में सघन गश्त और गोतस्करों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बिलाल मियां

साइबेरियन पक्षी का हजारों किलोमीटर की दूरी तय करके साइबेरिया से यहां आगमन शुरू हो गया है। ये विभिन्न मार्गों से आते हैं, जैसे कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और गुजरात होते हुए। दूसरा रास्ता हिमालय से होकर चंडीगढ़ के रास्ते आता है और तीसरा रास्ता उत्तर-पूर्व से होकर। ये पक्षी सर्दी के मौसम में यहां आते हैं और गर्मी की शुरुआत होने पर वापस चले जाते हैं। शीत ऋतु में ये साइबेरियन पक्षी शारदा सागर जलाशय नदी एवं तालाबों पर नजर आते हैं। इन पक्षियों को अब शारदा सागर डैम के आस पास के इलाकों में देखा जा सकता है।

पीलीभीत में साइबेरियन पक्षी का आगमन शुरू

आसमान में दिखने लगा विदेशी मेहमानों के झुंड

पीलीभीत

साइबेरियन पक्षियों के कारण ही शारदा सागर डैम की खूबसूरती और बढ़ जाती है। सालों से ये पक्षी यहां अपने नियमित समय पर आते हैं और ठंड खत्म होते ही लौट जाते हैं। साइबेरिया में अत्यधिक ठंड होने के कारण, जहां तापमान शून्य से काफी नीचे चला जाता है, वहां उनके लिए भोजन और जीवित रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए ये अपने मौसम और भोजन की तलाश में प्रवास करते हैं।

- **प्रवास का समय आगमन:** ये पक्षी आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर में सर्दी शुरू होते ही भारत (जैसे कि पीलीभीत या अन्य जगहों) में आते हैं।
- **वापसी:** गर्मी शुरू होने पर, यानी मार्च-अप्रैल में, ये पक्षी वापस साइबेरिया लौट जाते हैं।
- **भोजन:** प्रवास से पहले साइबेरियन पक्षी खूब भोजन करते हैं ताकि वे हजारोंझ किलोमीटर की यात्रा के दौरान ऊर्जा संचित कर सकें।

चकबंदी विभाग का पेशकार 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- फरीदपुर में चकबंदी विभाग में तैनात है रजत
- जमीन के दाखिल खारिज करने के एवज में मांगी थी रिश्वत

नमस्ते बदायूं

बरेली संवाददाता। शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने बरेली के चकबंदी कार्यालय फरीदपुर में तैनात कनिष्ठ सहायक (पेशकार) रजत चौधरी को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोच लिया। एंटी करप्शन की टीम की इस कार्रवाई से कार्यालय में हड़कंप मच गया। टीम पेशकार को अपने साथ ले गई। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम रुपपुर टंडोवेला निवासी रजत चौधरी फरीदपुर में चकबंदी अधिकारी कार्यालय में पेशकार हैं। आरोप है उन्होंने पदारथपुर के आदिल को दान में मिली जमीन के दाखिल खारिज के एवज में 15 हजार रुपये की मांग की थी। मोहम्मद आदिल ने इसकी जानकारी भ्रष्टाचार निवारण संगठन के कार्यालय में जाकर दी। इसके बाद पेशकार को ट्रैप करने की योजना बनाई गई। इसके तहत बृहस्पतिवार को टीम दोपहर 1:15 बजे चकबंदी कार्यालय पहुंच गई। पहले तय रणनीति के तहत जैसे ही आदिल ने पेशकार रजत चौधरी को रिश्वत दी एंटी करप्शन की टीम ने उसे तत्काल पकड़ लिया। रजत को टीम ने अपनी गाड़ी में बैठाया और कोतवाली ले गई। पेशकार के पकड़े जाने की सूचना से चकबंदी कार्यालय में हड़कंप मच गया। कोतवाली में पेशकार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पूरनपुर मंडी में अवैध वसूली को लेकर हंगामा, किसानों ने किया गेट बंद

भाकियू ने ठेकेदारों के खिलाफ किया प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे

नमस्ते बदायूं

पीलीभीत संवाददाता। पूरनपुर मंडी समिति में बृहस्पतिवार को धान खरीद के नाम पर किसानों से कथित अवैध वसूली को लेकर बड़ा हंगामा हो गया। भारतीय किसान यूनियन भाकियू के कार्यकर्ताओं ने मंडी का मुख्य द्वार बंद कर दिया और ठेकेदारों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जमकर प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व भाकियू जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने किया। किसानों का गुस्सा उस वक्त फूटा जब कीर्तपुर गांव निवासी किसान सुखजीत सिंह ने आरोप लगाया कि उसके चाचा सरवन सिंह के धान की खरीद के बदले आरिफ नामक ठेकेदार ने 35 हजार रुपये की अवैध वसूली की। आरोप है कि रुपये लेने के बाद भी धान की खरीद नहीं की गई। जब किसान ने विरोध किया तो ठेकेदार ने उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। यह खबर फैलते ही बड़ी संख्या में किसान और भाकियू कार्यकर्ता मंडी परिसर में पहुंच गए। उन्होंने ठेकेदारों को मंडी से बाहर करो' के नारे लगाते हुए मंडी समिति का मुख्य द्वार बंद कर दिया।

भाकियू जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा कि मंडी में भ्रष्टाचार चरम पर है। किसानों से खुलेआम वसूली की जा रही है, जबकि प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक ठेकेदारों को मंडी परिसर से हटाया नहीं जाता और किसानों को उनके धान का उचित मूल्य नहीं मिलता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। सूचना मिलते ही पुलिस और मंडी समिति के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन किसान अपनी मांग पर अड़े रहे। देर शाम तक किसान नेताओं और प्रशासन के बीच बातचीत का दौर चलता रहा, लेकिन गतिरोध कायम रहा।

अक्तूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर पहुंचा पीएमआई

भारत के सेवा क्षेत्र की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत के सेवा क्षेत्र ने अक्तूबर में धीमा प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के अनुसार विकास की गति पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। सूचकांक सितंबर के 60.9 से गिरकर अक्तूबर में 58.9 पर आ गया। हालांकि, यह स्तर अब भी 50 के तटस्थ अंक से ऊपर है, जो बताता है कि सेवा क्षेत्र में गतिविधियां अब भी विस्तार के दायरे में बनी हुई हैं।

एसएंडपी ग्लोबल की रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग में तेजी और हाल के जीएसटी सुधारों ने कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा दिया, लेकिन प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश ने गति को बाधित किया।

सर्वेक्षण से पता चला कि नए व्यावसायिक ऑर्डरों में तेजी से वृद्धि हुई, लेकिन पांच महीनों में यह सबसे धीमी गति से हुई। यह बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बाढ़ व भूस्खलन जैसे मौसम संबंधी व्यवधानों के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है।

इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का सेवा क्षेत्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 58.9 पर आ गया, जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि इसके बावजूद, पीएमआई अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर बना हुआ है। साथ ही इनपुट लागत में 14 महीनों में सबसे धीमी वृद्धि हुई है, जिससे कंपनियों को कुछ राहत मिली है।

भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में हुआ सुधार

मंदी के बावजूद, कंपनियों ने वृद्धि के प्रमुख चालकों के रूप में निरंतर मजबूत घरेलू मांग और प्रभावी विपणन का हवाला दिया। भारतीय सेवाओं की अंतरराष्ट्रीय मांग में भी सुधार हुआ व बाहरी बिक्री में भी वृद्धि हुई। हालांकि विस्तार की गति मार्च के बाद से सबसे कमजोर रही।

रोजगार के रुझान सकारात्मक रहे

रोजगार के रुझान मोटे तौर पर सकारात्मक रहे, क्योंकि सेवा प्रदाताओं ने नए व्यवसाय को समर्थन देने तथा डिलीवरी कार्यक्रम बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्त किया। हालांकि, रोजगार सृजन की गति धीमी रही, जो 18 महीनों में संयुक्त रूप से सबसे धीमी गति थी। लगातार नियुक्तियों से लगभग चार वर्षों में पहली बार लंबित कार्यों में कमी आई।

समग्र पीएमआई अक्तूबर में घटकर 60.4 पर आ गया

भविष्य की ओर देखते हुए, सेवा अर्थव्यवस्था में आशावाद बना रहा, जो मजबूत मांग, बेहतर विज्ञापन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीतियों की उम्मीदों पर आधारित था। फिर भी, समग्र आत्मविश्वास का स्तर तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया। समग्र पीएमआई, जिसमें विनिर्माण और सेवा दोनों गतिविधियां शामिल हैं, भी सितंबर के 61.0 से थोड़ा कम होकर अक्तूबर में 60.4 पर आ गया, जो विनिर्माण में तेजी के बावजूद सेवाओं में मंदी को दर्शाता है।

इनपुल लागत मुद्रास्फीती अपने निचले स्तर पर पहुंची

सर्वेक्षण में बताया गया है कि इनपुट लागत मुद्रास्फीति एक साल से भी ज्यादा समय में अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है, जिसमें आंशिक रूप से जीएसटी से जुड़े सुधारों का भी योगदान है। इससे लागत का बोझ कुछ हद तक कम हुआ है। नतीजतन, बिक्री मूल्य सात महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़े, जिससे व्यवसायों और उपभोक्ताओं, दोनों को राहत मिली।

रूसी कच्चे तेल आयात में कटौती करेगा भारत

प्रतिबंधों के बीच भारतीय रिफाइनर रोक देंगे सीधी खरीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत नवंबर के अंत से रूस से कच्चे तेल की सीधी खरीद में कटौती करने जा रहा है। इससे नवंबर के अंत से भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात घट सकता है।यह कदम रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर 21 नवंबर से लागू होने वाले नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उठाया जा रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि भारत के कुल रूसी तेल आयात में आधे से अधिक हिस्सा रखने वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनियां नए अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन में रूसी तेल की प्रत्यक्ष खरीद में कटौती कर सकती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी शामिल हैं।

दरअसल, अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर 21 नवंबर से कड़े आर्थिक प्रतिबंध

लगाने की घोषणा की है। इसके तहत इन कंपनियों की सभी अमेरिकी संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, अन्य देशों की संस्थाएं भी अगर इनके साथ बड़े लेनदेन करती हैं तो उन पर भी द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

रूसी कच्चे तेल की खेप में दिखेगी गिरावट: नौवहन सूचना फर्म केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, 21 नवंबर के बाद रूसी कच्चे तेल की खेपों में गिरावट दिखेगी, क्योंकि अधिकांश भारतीय रिफाइनरी अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करते हुए रोसनेफ्ट और लुकोइल से सीधी खरीद घटाएंगी या रोक देंगी।

दिसंबर में तेजी से घटेगा आयात अन्य देशों से खरीदारी पर जोर: रितोलिया ने कहा, दिसंबर में रूसी तेल की आपूर्ति में तेज गिरावट आ सकती है, जबकि 2026 के शुरुआती दौर में यह स्थिति नए व्यापारिक माध्यमों और वैकल्पिक मार्गों के जरिये धीरे-धीरे सामान्य हो सकती है। घटते रूसी आयात की भरपाई के लिए भारतीय रिफाइनरी कंपनियां पश्चिम एशिया, लैटिन अमेरिका, पश्चिम अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदारी बढ़ा रही हैं।भारत ने अक्तूबर में अमेरिका से प्रतिदिन 5.68 लाख बैरल क्रूड आयात किया, जो मार्च, 2021 के बाद सर्वाधिक है। आपूर्ति समझौता है।मंगलौर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी ने भी रूसी तेल की भविष्य की खेप रोकने की घोषणा की है। हालांकि, रोसनेफ्ट की आंशिक हिस्सेदारी वाली नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी (गुजरात) मौजूदा रूसी तेल खरीद तरीके को बनाए रखेगी। 2025 की पहली छमाही में भारत ने रूस से 18 लाख बैरल प्रतिदिन क्रूड आयात किया।

अमेजन इंडिया ने वेयरहाउस स्टोरेज शुल्क में 11 प्रतिशत बढ़ोतरी की, जानें इसका विक्रेताओं पर क्या असर पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमर्स दिग्गज अमेजन इंडिया ने अपनी वेयरहाउस स्टोरेज फीस में लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। नई दर 15 नवंबर, 2025 से लागू होगी और अब यह 50 प्रति घन सेंटीमीटर प्रति माह होगी। कंपनी ने कहा कि शुल्क वृद्धि का उद्देश्य बाजार के अनुरूप समायोजन और बढ़ती परिचालन लागतों को ध्यान में रखना है। अमेजन ने 2023 के बाद पहली बार स्टोरेज शुल्क में बदलाव किया है। इसके अलावा, इस साल कंपनी ने 300 तक कीमत वाले 1.2 करोड़ से अधिक कम मूल्य वाले उत्पादों पर रेफरल फीस समाप्त कर दी थी। 300 से 500 तक के उत्पादों, जैसे बेडशीट, घड़ियां, होम फर्निशिंग और एथनिक वियर पर शुल्क केवल 1 प्रतिशत या उससे कम कर दिया गया था। वहीं, उच्च मूल्य वर्ग जैसे फैशन और छोटे उपकरणों पर शुल्क में 7 प्रतिशत तक की कमी लागू की गई है। अमेजन ने कहा कि 2025 में उसकी कुल शुल्क वृद्धि दर में काफी कमी आई है, लेकिन कई विक्रेताओं ने बढ़ती लागत और बार-बार होने वाले संशोधनों पर चिंता व्यक्त की। व्यापारियों ने कहा कि भंडारण और अन्य शुल्कों में बार-बार बढ़ोतरी से कम रेफरल शुल्क का लाभ कम हो रहा है, और कुछ का दावा है कि नवीनतम बदलावों से पहले उनसे सलाह नहीं ली गई। पुणे के एक विक्रेता ने कहा कि अमेजन अब हर छह महीने में शुल्क संरचना में संशोधन कर रहा है और विक्रेताओं से परामर्श नहीं कर रहा है। वे कहते रहते हैं कि यह विक्रेताओं के हित में है।

युवाओं नई कार्यसंस्कृति: बेहतर तनख्वाह और मन मुताबिक नौकरी की मांग पर अड़ी

● 82 प्रतिशत एआई को लेकर उत्साहित ● लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं

नई दिल्ली, एजेंसी।
जेन-जी, आज दुनिया में चर्चा का सबसे गर्म मुद्दा बन चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर क्यों? वजह है उनके सोचने का अलग तरीका, उनकी मांग और पसंद। यह पीढ़ी स्थापित मानकों पर सवाल उठाने वाली और बदलाव को नए नजरिए से देखने वाली है। इसी बीच रैंडस्टैड इंडिया की ताजा रिपोर्ट द जेन-जी वर्कप्लेस ब्लूप्रिंट ने बताया है कि यह नई पीढ़ी अपने ऑफिस से क्या चाहती है और किन हालातों से बिल्कुल भी समझौता नहीं करना चाहती है।

युवा पेशेवर की प्राथिमकताएं: रिपोर्ट के मुताबिक भारत में युवा पेशेवर अपने करियर विकल्पों पर पुनर्विचार कर रहे हैं। वे अब नौकरी चुनते समय सिर्फ अच्छी सैलरी ही नहीं, बल्कि लचीलापन, उद्देश्य और संतुलित जीवनशैली को प्राथमिकता दे रहे हैं।

यह रिपोर्ट 750 भारतयी युवाओं पर आधारित सर्वे से तैयार की गई है। इसमें उनके कार्य संबंधी प्राथमिकताओं, करियर दृष्टिकोण, रिटेंशन फैक्टर्स, एआई व सीखने के नजरिए का विश्लेषण किया गया है। रिटेंशन फैक्टर्स, वे कारक हैं जो कर्मचारियों या ग्राहकों को किसी संगठन को छोड़ने से रोकते हैं। रैंडस्टैड इंडिया के एमडी और सीईओ विश्वनाथ पीएस ने कहा कि जो नियोक्ता आजीवन सीखने, समावेशिता और लचीलापन अपने कार्यस्थल में शामिल करेंगे, वे न केवल इस पीढ़ी की प्रतिभा को आकर्षित और बनाए रखेंगे, बल्कि भविष्य के लिए तैयार संगठनों का निर्माण करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की कार्यशक्ति में इस पीढ़ी की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, ऐसे में कंपनियों को अपनी टैलेंट रणनीतियों, कार्यसंस्कृति और कर्मचारी जुड़ाव के तरीकों में तेजी से बदलाव लाने की जरूरत है। रैंडस्टैड डिजिटल इंडिया के प्रबंध निदेश मिलिंद शाह ने कहा कि भारतीय जेन जी का फुल-टाइम जॉब के साथ साइड हसल यानी फुल-टाइम नौकरी के साथ-साथ अतिरिक्त काम को प्राथमिकता देना। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री को अब ऐसी संस्कृति बनानी होगी, जो तकनीकी दक्षता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता दोनों को साथ लेकर चले। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 82 प्रतिशत जेन-जी कार्यस्थल पर एआई के इस्तेमाल को लेकर उत्साहित हैं, और 83 प्रतिशत पहले से ही समस्या-समाधान के लिए एआई टूल्स का उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, 44 फीसदी युवाओं ने एआई के कारण भविष्य में नौकरियों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंता भी जताई है।

जेन-जी के लिए लचीलापन की परिभाषा

अध्ययन के अनुसार, जेन-जी के लिए लचीलापन सिर्फ घर से काम करने या ऑफिस टाइम में ढील भर नहीं है बल्कि इसका मतलब है अपनी सुविधा और जीवनशैली के हिसाब से काम करने की आजादी। वे ऐसी नौकरियां चाहते हैं जहां समय, लोकेशन और काम करने के तरीके में आजादी मिले। नके लिए यह मायने रखता है कि वे अपनी उत्पादकता के हिसाब से काम कर सकें, न कि सख्त दफ्तर की घड़ी के अनुसार। इसके अलावा, यात्रा के अवसर और विदेश से रिमोट वर्क करने की सुविधा भी युवा पेशेवरों के लिए आकर्षण का केंद्र है। जो कंपनियां इस संतुलन को अपनाएंगी, वे अगली पीढ़ी के शीर्ष तकनीकी प्रतिभाओं को हासिल करेंगी।

पुलिस ने 31 बदमाशों पर कसा शिकंजा... खोली हिस्ट्रीशीट, होगी नियमित निगरानी

बरेली, एजेंसी। बरेली जिले में लूट, मादक पदार्थों की तस्करी, गोकशी, हत्या, लूट, डकैती जैसी संगीन वारदात में शामिल 31 बदमाशों की पुलिस ने हिस्ट्रीशीट खोली है। इनमें सबसे ज्यादा सात बदमाश फरीदपुर थाना क्षेत्र के हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि जिन बदमाशों की हिस्ट्रीशीट खोली गई है उनको नियमित निगरानी की जाएगी। इनमें कुछ बदमाश जेल में हैं।

पुलिस पिछली छह माह से प्रचलित अपराधियों की सूची तैयार कर रही है। हाल के दिनों में यह दूसरा मौका है जब एक साल 31 बदमाशों की हिस्ट्रीशीट खोली गई हो। हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। नए घोषित किए गए हिस्ट्रीसीटरों में थाना क्षेत्र आंवला, नवाबगंज के बदमाश भी शामिल हैं। एसएसपी ने बताया कि सभी थाना क्षेत्रों की पुलिस को संबंधित बदमाशों की नियमित निगरानी का आदेश दिया गया है।

इन अपराधियों की खोली गई हिस्ट्रीशीट

बड़े उर्फ अजरुद्दीन निवासी दुनका थाना शाही, तौफीक अहमद निवासी गांव बसई थाना शाही, महेंद्रपाल निवासी गांव मंडनपुर थाना मीरगंज, रोहित यादव निवासी भुर्जी ओला थाना आंवला, नाजिम अली निवासी फूटा दरबाजा थाना आंवला, निजाम उर्फ निजामुद्दी निवासी मनौना थाना आंवला, अफरोज अहमद निवासी गांव मथुरापुर थाना सीबीगंज, राजा निवासी सरनिया थाना सीबीगंज, हनीफ उर्फ बिल्ला निवासी गांव भिंडौलिया थाना बिथरी चैनपुर, खुर्शीद निवासी गांव अंगूरी टांडा थाना सुभाषनगर, सैफी निवासी खुशबू इन्क्लेव थाना बारादरी का नाम शामिल है।

लक्ष्मी नारायण उर्फ मुन्ना निवासी शाहदाना थाना बारादरी, दिनेश उर्फ कल्लू निवासी मोहल्ला कानून गोयान हाल निवासी श्यामगंज थाना बारादरी, फरहान निवासी मोहल्ला एजाजनगर गौटिया थाना बारादरी, प्रेम सिंह निवासी गांव ढकिया थाना अलीगंज, मकबूल निवासी महोलिया थाना अलीगंज, नेकसू उर्फ पूरन लाल निवासी गांव कुडरिया फैजुल्लापुर थाना अलीगंज, अचल निवासी गांव जोगीठेर थाना अलीगंज, नुरैन निवासी गांव अवदपुर थाना बिशारतगंज, साबिर निवासी गांव दुआवट थाना हाफिजगंज भी सूची में हैं। बुंदन निवासी गांव बरखन थाना नबावगंज, अनिल निवासी गांव हिमकरा थाना नबावगंज, तौसीफ निवासी गांव प्रहलादपुर थाना क्योलड़िया, नदीम निवासी फरीदापुर चौधरी थाना इज्जतनगर, देवराज यादव निवासी मोहल्ला शिवनगर शर्मा कॉलोनी थाना फरीदपुर, कासिम निवासी मेवासर्फापुर थाना फरीदपुर, याकूब निवासी गांव अलगनी थाना फरीदपुर, तैय्यब निवासी गांव नांद थाना फरीदपुर, चंद्रसेन निवासी शिवनगर शर्मा कॉलोनी थाना फरीदपुर, तसब्बर, फतून निवासी गांव सर्फापुर थाना फरीदपुर।

बीएसएफ के 'जांबाज' एवं 'सीमा भवानी' दल ने रचा इतिहास

आगरा , एजेंसी। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की मोटर साइकिल टीम %%जांबाज%% एवं %%सीमा भवानी%% द्वारा राष्ट्र के लिए समर्पित सीमा प्रहरियों ने अद्भुत साहस और कौशल का प्रदर्शन करते हुए 16 नए विश्व कीर्तिमान स्थापित करने का अभियान आरंभ किया।

यह आयोजन महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी के आदेशानुसार, निदेशक डॉ. शमशेर सिंह, आईपीएस (बीएसएफ) अकादमी टेकनपुर) के दिशा-निर्देशन और डॉ. सीपी मीना, उप महानिरीक्षक (केंद्रीय मोटर गाड़ी प्रशिक्षण स्कूल) के नेतृत्व में संपन्न हो रहा है। इस अवसर पर आगरा रॉयल्स के प्रबंध निदेशक मनोज जादौन भी उपस्थित रहे। यह अभियान 7 नवंबर तक चलेगा, जिसके अंतर्गत 15 से अधिक स्टंट के माध्यम से कीर्तिमान स्थापित किए जाएंगे।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दो विश्व कीर्तिमान स्थापित किए गए। कार्यक्रम के दौरान, बेस्ट ऑफ इंडिया रिकॉर्ड्स द्वारा विश्व रिकॉर्ड प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए।

प्रदेश में बड़े पैमाने पर माध्यमिक शिक्षकों के तबादले, जून से इंतजार कर रहे थे अध्यापक

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के 1549 शिक्षकों को अंततः तबादला मिल गया। यह शिक्षक जून से ऑफलाइन तबादलों का इंतजार कर रहे थे। बुधवार को इनके तबादला आदेश जारी कर दिए गए। शिक्षक इसे विभाग की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

एडेड माध्यमिक विद्यालयों में इस साल पहले ऑफलाइन तबादले के लिए आवेदन ले लिए गए। इसके तहत 1641 शिक्षकों ने आवेदन किया था। जबकि बाद में यह तय हुआ कि ऑफलाइन व ऑनलाइन दोनों माध्यम से तबादले किए जाएंगे। इसके बाद जून में ऑनलाइन आवेदन वाले तबादले तो हो गए लेकिन ऑफलाइन हुए आवेदन वाले तबादले फंस गए। इसके लिए शिक्षकों ने कई बार माध्यमिक शिक्षा निदेशालय पर धरना दिया।

अंत में पिछले दिनों माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी के आवास के सामने भी धरना दिया। इसके बाद विभाग ने विशेष परिस्थितियों में इन ऑफलाइन तबादले करने का निर्णय लिया। इसी क्रम में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर बुधवार को तबादले जारी कर दिए गए।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर शिक्षा निदेशक सुरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि एडेड माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता, सहायक अध्यापकों के तबादले वेबसाइट पर जारी कर दिए गए हैं।

1641 में से 1549 शिक्षकों को तबादला मिला है। कुछ शिक्षकों के ऑनलाइन आवेदन के बाद तबादले हो गए हैं या उनके कागज आदि अपूर्ण रहे हैं। इसकी वजह से वे बच गए। बता दें कि विभाग ने नए सत्र 2026-27 के लिए पहले ही निर्देश जारी कर दिया है कि शिक्षकों के तबादले ऑनलाइन ही होंगे। ताकि शिक्षकों के बीच इसे लेकर किसी तरह का कोई भ्रम की स्थिति न रहे।

प्रदेश में सर्दी का आगमन

12 जिलों में 15 डिग्री के नीचे गया रात का तापमान, जारी हुए पूर्वानुमान

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अब धीरे धीरे रातें सर्द होनी शुरू हो गई हैं। बुधवार को प्रदेश भर में पूरब से पश्चिम तक के लगभग 12 जिलों में रात का पारा 15 डिग्री सेल्सियस के नीचे आ गया। बुधवार का प्रदेश भर में मौसम साफ रहा और दिन में गुनगुनी धूप खिली।

मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले तीन-चार दिनों में प्रदेश भर में रात के तापमान में 3 से 5 डिग्री तक की गिरावट आएगी। हालांकि दिन के अधिकतम तापमान में अभी कोई खास बदलाव का पूर्वानुमान नहीं है। वहीं पूर्वांचल और तराई के इलाकों में सुबह के वक्त धुंध और कोहरा छाए रहने की संभावना है।

बुधवार को बाराबंकी, कानपुर शहर, इटावा, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, अमेठी, बरेली, मुजफ्फर नगर, मेरठ, बुलंदशहर में रात का न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस या इससे नीचे लुढ़क गया। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि अगले तीन-चार दिनों में प्रदेश भर में रात के पारे में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के संकेत हैं। तराई व पूर्वांचल में सुबह के वक्त धुंध व कोहरे का असर भी दिखाई देगा।

लखनऊ में अब रातें होंगी ठंडी, सुबह बढ़ेगा कोहरा : राजधानी में बुधवार को दिन में गुनगुनी धूप रही। दिन के तापमान में करीब एक डिग्री सेल्सियस की बढ़त रही। इसके बावजूद मौसम सुहाना रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में अगले तीन-चार दिन में रात के पारे में 3 से 5 डिग्री की गिरावट के संकेत हैं। वहीं, सुबह के वक्त धुंध व कोहरे का असर भी बढ़ेगा। बुधवार को अधिकतम तापमान 0.9 डिग्री की गिरावट के साथ 30.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री की बढ़त के साथ 18.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

भूपेश अवस्थी और बेटे रोहित की तलाश में क्राइम ब्रांच जुटी, दोनों पर अखिलेश के लिए काम करने का आरोप

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में कर्मचारी नेता भूपेश अवस्थी और उसके बेटे रोहित अवस्थी की तलाश में पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम भी लगी है। दोनों साकेतनगर की महिला कारोबारी के मामले में आरोपी हैं। उनके खिलाफ मंगलवार को गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। पुलिस ने कई जगह दबिशें दी थीं लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला था। दोनों पर अखिलेश दुबे के लिए कार्य करने का आरोप है।

भूपेश अवस्थी भाजपा नेता है। साकेतनगर की महिला कारोबारी ने 2011 में किदवईनगर थाने में अखिलेश दुबे, अनुज निगम, भूपेश अवस्थी, रोहित अवस्थी के खिलाफ मारपीट करने, चेन तोड़ने, रुपये लूटने समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच अधिकारी ने महज चार घंटे में जांच कर फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। महिला कारोबारी ने तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से अखिलेश दुबे और अन्य आरोपियों की शिकायत की।

फिर जमानती वारंट जारी हुआ

इस पर कोर्ट में अर्जी देकर मामले में पुनर्विवेचना शुरू हो गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पिता-पुत्र को समन भेजकर कोर्ट में बुलाया गया, लेकिन दोनों नहीं आए। फिर जमानती वारंट जारी हुआ। दोनों ने शपथ पत्र दिया है, जिसमें भूपेश अवस्थी ने स्वयं को कर्मचारी संगठन के कार्यक्रम में लखनऊ होने और रोहित अवस्थी ने दिल्ली में होने की जानकारी दी है।

क्राइम ब्रांच को भी जिम्मेदारी सौंपी

कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पिता-पुत्र ने किसी तरह का कोई सबूत नहीं दिया है। इससे घटना के समय उनके बाहर होने की पुष्टि नहीं हो पा रही है। कमिश्नरी पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस के सहयोग के लिए क्राइम ब्रांच को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती... फिर दो दिन होटल में बंधक बनाकर किया सामूहिक दुष्कर्म, घर से कुछ दूर छोड़कर भागे

लखनऊ, एजेंसी। सरोजनीनगर इलाके में रहने वाली 15 वर्ष की दलित किशोरी को उसके दोस्त ने दो नवंबर की रात मिलने के बहाने बुलाया। अपने दो साथियों के साथ किशोरी को स्कॉर्पियो से मड़ियांव स्थित एक होटल ले गया। आरोप है कि होटल में दो युवकों ने किशोरी को दो दिन बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। मंगलवार दोपहर आरोपी किशोरी को उसके घर के पास छोड़कर भाग गए। इस मामले में केस दर्ज कर पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

पीड़ित की मां के अनुसार उनकी बेटी एक निजी स्कूल में कक्षा 7 की छात्रा है। करीब डेढ़ माह पहले आगरा एक्सप्रेसवे के पास रहने वाले विमल नाम के युवक से बेटी की इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई। दोनों दोनों में फोन पर बातें भी होने लगीं। दो नवंबर की रात करीब 10 बजे विमल ने बेटी को मिलने के बहाने से घर से कुछ दूर बुलाया। किशोरी जब वहां पहुंची तो विमल के साथ उसके दो साथी पीयूष और शुभम मिश्रा भी मौजूद थे। ये लोग किशोरी को बहाने से स्कॉर्पियो में बैठाकर मड़ियांव के आईआईएम रोड स्थित एक होटल में ले गए जहां विमल और पीयूष ने किशोरी से दुष्कर्म किया।

घर के पास छोड़कर भागे आरोपी : दो दिन तक होटल के कमरे में कैद किशोरी के काफी गिड़गिड़ाने पर आरोपी उसे मंगलवार दोपहर घर से कुछ दूर छोड़कर भाग गए। घर पहुंच कर किशोरी ने मां को सारी बात बताई। बुधवार को मां बेटी को लेकर सरोजनीनगर थाने पहुंचीं और पुलिस को सारी बात बताई।

वीनस विलियम्स की ऑकलैंड क्लासिक में होगी

वाइल्ड कार्ड एंट्री

वॉशिंगटन, एजेंसी। सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स न्यूजीलैंड में होने वाले ऑकलैंड क्लासिक 2026 में वापसी करेंगी। उन्हें इस डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विलियम्स 16 महीने के ब्रेक के बाद 2025 के बीच में प्रतियोगिता में लौटीं। उन्होंने वाशिंगटन में वर्ल्ड नंबर 35 पेटन स्टर्न्स पर यादगार जीत के साथ वापसी की, जहां वह टूर-लेवल पर महिलाओं के एकल में जीत हासिल करने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। इसके बाद उन्हें एकल और युगल में यूएस ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला। एकल में उन्होंने पहले राउंड में चेक गणराज्य की 11वीं सीड कैरोलिना मुचोवा को तीन सेट तक टक्कर दी और कनाडाई उभरती हुई स्टार लेयला फर्नांडीज के साथ युगल में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं थी। ऑकलैंड क्लासिक टूर्नामेंट के डायरेक्टर निकोलस लैम्पेरिन ने कहा, 'वीनस का महिला टेनिस के विकास पर गहरा असर रहा है और उनके खेल के प्रति अटूट जुनून ने अगली पीढ़ी को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा कि सभी खेल प्रेमियों को खेल की सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक को एक्शन में देखने का यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।' ऑकलैंड क्लासिक पांच से 11 जनवरी 2026 तक चलेगा। यह18 जनवरी से शुरू होने वाले 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए एक महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट होगा।

फीडे विश्व कप शतरंज

अर्जुन की जीत से शुरुआत

गुकेश - प्रज्ञानन्दा नें खेला ड्रॉ

गोवा, एजेंसी। फीडे विश्व कप 2025 के दूसरे राउंड की पहली बाजी से सारे दिग्गज वरीय खिलाड़ी विश्व कप के अपने अभियान को आरंभ करते नजर आए, पहले बोर्ड पर विश्व चैम्पियन डी गुकेश और उज्बेकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक की बाजी की पहली चाल चलकर उदघाटन करने के लिए खुद मेजबान गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद पहुंचे। गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से केटालन ओपनिंग खेलते हुए अपने अभियान की शुरुआत की और मध्य खेल तक उनके मोहोरे बेहद सक्रिय तो नोगेरबेक के मुश्किलों मे नजर आ रहे थे पर खेल की 29वीं चाल में गुकेश से भूल हुई और उन्होने अपने ऊंट की काले के ऊंट से अदला बदली स्वीकार करते हुए नोगेरबेक को वापसी का मौका दे दिया और 84 चालों तक चली यह मैराथन बाजी बेनतीजा रही। प्रज्ञानन्दा को भी औस्ट्रेलिया के टेमुर कुयबोकोरोव नें ड्रॉ पर रोक लिया, हालांकि दूसरे वरीय भारत के अर्जुन एरीगैसी नें अपने अभियान को जीत से आरंभ किया, अर्जुन नें बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव पर जीत दर्ज की, उन्होने काले मोहरो से इटेलिअन ओपनिंग में 42 चालों में जीत दर्ज की। अन्य खास मुकाबलों में जर्मनी के विश्व नंबर चार विंसनेट केमर नें रूस के व्लादिसलाव कोवलेव को हराया तो अनुभवी खिलाड़ियों में अजरबैजान के शाकिरयार ममेद्यारोव नें हंगरी के कांटोर ग्रिगेली को, फ्रांस के मकसीम लागरेव नें भारत के सूर्या शेखर गांगुली को और अर्मेनिया के लेवान आरोनियन नें एक रोमांचक मुक़ाबले में भारत के अरोण्यक घोष को पराजित किया।

आरसीबी को बेचने का हुआ ऐलान

आईपीएल 2026 से पहले फ्रेंचाइजी को मिलेगा नया मालिक

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा आईपीएल और पूर्व डब्ल्यूपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी बिकने जा रही है. आरसीबी की मौजूदा मालिक इस फ्रेंचाइजी से बाहर हो रही है और उसने इसे बेचने का ऐलान कर दिया है. एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि आईपीएल की शुरुआती 8 फ्रेंचाइजी में से एक आरसीबी की बिक्री प्रक्रिया शुरू हो गई है और अगले आईपीएल सीजन से पहले ये प्रक्रिया खत्म होने की उम्मीद है. यानि फ्रेंचाइजी के मौजूदा ओनर को उम्मीद है कि मार्च 2026 से पहले आरसीबी को इसका नया मालिक मिल जाएगा, जो आईपीएल और डब्ल्यूपीएल में इस फ्रेंचाइजी को चलाएगा.

शुरू हुई बिक्री प्रक्रिया, मार्च 2026 तक होगी खत्म – आईपीएल के पहले सीजन से ही एक्टिव रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बिक्री को लेकर पिछले कुछ हफ्तों से सुगबुगाहटें जारी थीं और कुछ बड़े बिजनेस घरानों ने इसमें रुचि भी दिखाई थी. मगर तब ये सिर्फ अटकलें थी लेकिन अब

खुद फ्रेंचाइजी की मौजूदा ओनर डिएजियो ने इसका ऐलान कर दिया है. क्रिकबज की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि डिएजियो ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को भेजी गई एक चिट्ठी में बताया कि उसकी सब्सिडिएरी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने फ्रेंचाइजी में स्ट्रैटेजिक रिव्यू शुरू किया है.

माल्या 2008 में खरीदी थी आरसीबी फ्रेंचाइजी

2008 में बीसीसीआई ने जब आईपीएल शुरू करने का ऐलान किया था, तो 8 शहरों की फ्रेंचाइजी के लिए बोली लगाई गई थी. इसमें बेंगलुरु की बोली मशहूर बिजनेसमैन विजय माल्या ने जीती थी. उन्होंने तब 111.6 मिलियन डॉलर यानि उस वक्त करीब 600-700 करोड़ रुपये में ये फ्रेंचाइजी खरीदी थी. तब ये आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे महंगी टीम थी. यूनाइटेड स्पिरिट्स के मालिक उस वक्त माल्या ही थे. हालांकि, 2013 में डिएजियो ने स्रुमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी हासिल कर ली थी और 2014 में वो 54 फीसदी से ज्यादा शेयरहोल्डिंग के साथ पूरा मालिकाना हक डिएजियो के हाथों में आ गया था और तब से वो ही फ्रेंचाइजी के मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभा रही थी.

चैंपियंस लीग

फिल फोडेन ने दागे 2 गोल

• डॉर्टमुंड के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी की आसान जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। फिल फोडेन इस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने दो गोल दागे। डॉर्टमुंड ने शुरुआती समय में मैनचेस्टर सिटी को रोके रखा, लेकिन 22वें मिनट फिल फोडेन ने बॉक्स के किनारे से एक सटीक लो शॉट लगाकर मैच का रुख बदल दिया। इसके 7 मिनट बाद एर्लिंग हालैंड ने डोकू के क्रॉस पर एक जोरदार शॉट लगाकर सिटी की बढ़त को दोगुना कर दिया। यहां से डॉर्टमुंड मुकाबले में 0-2 से पिछड़ गई थी। शानदार शुरुआत के बावजूद मेहमान टीम सिटी की गति और मूवमेंट को संभालने में नाकाम रही। हाफ टाइम से पहले गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल को बार-बार एक्शन में आना पड़ा। फिल फोडेन ने 57वें मिनट में फिर से गोल दागते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। मुकाबले के 72वें मिनट डॉर्टमुंड ने जवाब दिया। वाल्डेमर एंटोन ने एक शॉर्ट फ्री किक के बाद वॉली मारकर गोल किया। मैच खत्म होने में 20 मिनट से भी कम समय शेष रह गया था। मुकाबले का स्कोर 3-1 था। इस बीच बुंडेसलीगा टीम ने आगे बढ़कर हमला किया। करीम एडेयेमी दो बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन सब्स्टीट्यूट रेयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम (90+1) में गोल करके नतीजा पक्का कर दिया। मैनचेस्टर सिटी चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में अब टॉप-3 टीमों बायर्न म्यूनिख, आर्सेनल

और इंटर से सिर्फ 2 प्वाइंट पीछे है। अब डॉर्टमुंड इस महीने के आखिर में विलारियल की मेजबानी करने से पहले अपनी पहली चैंपियंस लीग हार से उबरने की कोशिश करेगा। डॉर्टमुंड के कोच निको कोवाक ने कहा, 'हमने देखा है कि सिटी साफतौर पर बेहतर टीम है। हमने अच्छी शुरुआत की, लेकिन काफी मौके नहीं बना पाए और कुल मिलाकर बहुत पैसिव रहे। यह मुकाबला सिटी के खिलाफ था, लेकिन चार गोल खाना फिर भी थोड़ा ज्यादा है, आखिर में गोलों का अंतर भी मायने रख सकता है।'

प्रियंका चाहर चौधरी बनेंगी अगली नागिन

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी टेलीविजन शो नागिन के आगामी सीजन 7 में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। रियलिटी शो बिग बॉस 19 के सीजन फिनाले के दौरान सलमान खान के सामने उन्हें शो की मुख्य भूमिका के रूप में घोषित किया गया था। यह वही मंच है जिसने प्रियंका को सीजन 16 में शीर्ष तीन फाइनलिस्ट में से एक चुनकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि दिलाई थी। यह पल पुरानी यादों और जादू से भरा था, उस शो में वापसी जिसने उन्हें घर-घर में मशहूर बना दिया था, अब उन्हें भारतीय टेलीविजन की सबसे प्रतिष्ठित भूमिकाओं में से एक के लिए चुना गया है। प्रियंका चाहर चौधरी ने कहा कि मुझे आज भी बिग बॉस 16 का वह पल याद है, जब एकता मैम ने कहा था कि उन्हें अपनी अगली नागिन मिल गई है और उनका यह वादा निभाना और मुझे इस विरासत के लिए चुनना वाकई एक सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि कुछ भूमिकाएं एक अभिनेता से एक चरित्र से अधिक होने की मांग करती हैं। वे आपकी ताकत, आपकी सीमा और आपकी भावना को चुनौती देती हैं और यह मेरे लिए बिल्कुल वैसा ही है। नागिन ब्रह्मांड का प्रभार लेना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे बनाए रखने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ करूंगी। सलमान सर और लाखों दर्शकों के सामने नागिन के रूप में प्रकट होना भाग्य की योजना से कम नहीं लगता। मैं निर्माताओं की बहुत आभारी हूं। दर्शकों को लुभाते हुए दस साल पूरे करने के बाद, नागिन भारतीय टेलीविजन की सर्वश्रेष्ठ फैंटेसी फ्रैंचाइजी के रूप में अपनी बादशाहत बरकरार रखे हुए है। 2015 में अपनी शुरुआत के बाद से इस कल्ट शो ने मौनी रॉय और अदा खान से लेकर तेजस्वी प्रकाश तक, टेलीविजन की प्रमुख अभिनेत्रियों को अपनी पहचान दिलाई है। अब जैसे-जैसे यह विरासत आगे बढ़ रही है, प्रियंका नई नागिन रानी के रूप में सिंहासन पर आसीन हो रही हैं और नागिन जगत को उसके अब तक के सबसे रोमांचक अध्याय में ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। नागिन 7 का प्रीमियर जल्द ही कलर्स और जियो हॉटस्टार पर होने वाला है।

इंडिपेंडेंट फिल्मों को दर्शकों तक पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती

भारत में इंडिपेंडेंट फिल्मों का सफर हमेशा ही चुनौतीपूर्ण रहा है। चाहे कहानी की ताकत हो या अभिनय का जादू, इन फिल्मों को बनाने के बाद सही दर्शकों तक पहुंचाना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती बन जाता है। इसी मुद्दे पर फिल्ममेकर किरण राव ने 14वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (डीआईएफएफ) के दौरान अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने फिल्मों को बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाना आसान कर दिया है, लेकिन थिएटर में जाकर फिल्म देखने का अनुभव अब भी खास माना जाता है। किरण राव ने बताया कि फिल्मों के निर्माण और वितरण में कई बड़े बदलाव आए हैं, लेकिन मौजूदा समय में भी अभी कई बाधाएं हैं।

किरण राव ने अपनी बात की शुरुआत भारत की आधिकारिक ऑस्कर प्रविष्टि फिल्म होमबाउंड का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि अब दर्शकों का स्वाद पहले की तुलना में बहुत बदल गया है। पहले लोग मुख्यतः बड़े हीरो और ट्रेडिशनल फिल्मों तक ही सीमित थे, लेकिन अब दर्शक नई कहानियों और अलग अंदाज की फिल्मों में भी रुचि दिखा रहे हैं। इसका एक बड़ा कारण विभिन्न स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स हैं, जो फिल्मों को घर बैठे भी बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाते हैं।

यह बदलाव इंडिपेंडेंट फिल्मों के लिए एक सकारात्मक संकेत है, क्योंकि अब उनकी कहानियों को देखने वाले दर्शक बढ़ रहे हैं। इस दौरान किरण राव ने एक अहम सवाल भी उठाया, जो इंडिपेंडेंट फिल्म निर्माताओं के लिए हमेशा चिंता का विषय रहा है। उन्होंने पूछा कि क्या दर्शक इन फिल्मों के लिए पैसे देने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, फिल्म निर्माताओं के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण सवाल है। क्या कोई 150 रुपये देकर होमबाउंड या सबर बोंडा जैसी फिल्मों को देखने आएगा? अगर दर्शक देखने नहीं आएंगे तो फिल्म बनाने का मतलब क्या है?

तेरे इश्क में में काम करने के अनुभव पर बोले प्रियांशु पेन्युली

बॉलीवुड में इस साल दर्शकों के लिए रोमांचक खबर है। फिल्मकार आनंद एल राय अपनी नई फिल्म तेरे इश्क में के साथ फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। इस फिल्म में अभिनेता धनुष और अभिनेत्री कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं, और अब इसमें प्रियांशु पेन्युली भी शामिल हो गए हैं। प्रियांशु अपने अलग अंदाज और दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। इंटरव्यू में प्रियांशु पेन्युली ने अपने अनुभव के बारे में बात की और कहा, फिल्म तेरे इश्क में का हिस्सा बनना मेरे करियर के लिए एक खास अवसर है। मशहूर निर्देशक आनंद एल राय के साथ काम करना सौभाग्य की बात है। धनुष और कृति से अभिनय की बारीकियां समेत बहुत कुछ सीखने को मिला। वे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। इनके साथ स्क्रीन साझा करना बेहद रोमांचक अनुभव रहा। मैं इसे अपने जीवन के एक खास अध्याय के रूप में देख रहा हूं। ऐसे मौके हर किसी को नहीं मिलते और इसे पाने पर मुझे गर्व है। बता दें कि फिल्म तेरे इश्क में आनंद एल राय और धनुष की तीसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने एक साथ रांझणा और अतरंगी रे में काम किया था। प्रियांशु ने आगे कहा, तेरे इश्क में का हिस्सा बनना मेरे लिए सिर्फ रोमांचक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी बहुत खास है। फिल्म रांझणा ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी। अब मुझे उसी तरह की भावनाओं वाली कहानी में काम करने का अवसर मिला है। यह अनुभव रोमांचक लगता है। इस फिल्म में दर्शकों को प्यार, चाहत और भावनाओं की गहराई का एक नया अनुभव मिलेगा। आनंद एल राय और धनुष की यह जोड़ी पिछली फिल्मों में दर्शकों को बहुत पसंद आई थी, और अब नई कहानी के साथ यह जोड़ी फिर से पर्दे पर लौट रही है। फिल्म को आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा और भूषण कुमार ने प्रोड्यूस किया है।

सात भाषाओं में फिल्में कर दर्शकों के दिलों पर किया राज, शानदार रहा करियर

हिंदी और मराठी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी ने भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है। पुणे की रहने वाली सोनाली ने अपने करियर की शुरुआत 1992 में कन्नड़ फिल्म चेलुवी से की थी। महाराष्ट्र के पुणे में 3 नवंबर 1974 को जन्मीं सोनाली कुलकर्णी के करियर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने सात अलग-अलग भाषाओं में काम किया। कन्नड़, मराठी, हिंदी, तमिल, गुजराती, अंग्रेजी और इतालवी में उनकी फिल्मों ने उन्हें सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई। यही कारण है कि उन्हें लोग बहुभाषी सुपरस्टार भी कहते हैं। इस बहुभाषी सफर ने उन्हें अलग-अलग फिल्मों और शैलियों में काम करने का मौका दिया। उनके करियर में हिंदी और मराठी फिल्मों के साथ-साथ हॉलीवुड और यूरोप की फिल्में भी शामिल हैं। सोनाली का बचपन से ही पढ़ाई और अभिनय दोनों में रुचि थी। उन्होंने पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन किया और मराठी साहित्य में स्कॉलरशिप भी मिली। इसके साथ ही सोनाली भरतनाट्यम में भी प्रशिक्षित रही हैं और उन्होंने इसके लिए 11 साल तक कड़ी ट्रेनिंग ली। शुरुआती दिनों में उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई और एक्टिंग के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की थी। उन्हें यह पहला ऑफर मिलने पर थोड़ी हिचकिचाहट भी हुई थी, क्योंकि उनके मन में क्लास मिस होने का डर था। लेकिन निर्देशक गिरीश कर्नाड के समझाने के बाद उन्होंने फिल्म के लिए हां कर दी। यही फिल्म उनके करियर का पहला कदम साबित हुई, और इसके दमदार अभिनय की वजह से फिल्म ने नेशनल अवॉर्ड जीता और कांस फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई। सोनाली की पहली मराठी फिल्म मुक्ता थी, जो साल 1994 में आई। इसके बाद उन्होंने लगातार मराठी और हिंदी फिल्मों में काम किया। हिंदी फिल्मों में उनका नाम दिल चाहता है, मिशन कश्मीर, डरना जरूरी है, और सिंघम जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है। मराठी फिल्मों में उनकी लोकप्रियता भी कम नहीं रही। फिल्में जैसे देवराई, दोघी, कैरी, घराबाहेर, सखी, और देऊल दर्शकों को काफी पसंद आईं।

सोनाली केवल फिल्मों तक ही सीमित नहीं रहीं। वह एक सफल कॉलमनिस्ट भी हैं। उन्होंने मराठी समाचार पत्र में सो कूल नाम का कॉलम लिखा, जिसे पाठकों ने बहुत पसंद किया। उनके लेख इतने मशहूर हुए कि लोग उन्हें उसी नाम से पहचानने लगे। सोनाली कुलकर्णी को उनके बहुभाषी करियर और अभिनय के लिए कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। इटालियन फिल्म फुओको दी सु के लिए उन्हें 2006 में मिलान फिल्म फेस्टिवल अवॉर्ड मिला। इसके अलावा, उन्हें चार फिल्मफेयर अवॉर्ड्स और महाराष्ट्र स्टेट फिल्म अवॉर्ड भी मिल चुके हैं। चैत्र जैसी फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है। पर्सनल लाइफ की बात करें तो सोनाली की पहली शादी मराठी निर्देशक चंद्रकांत कुलकर्णी से हुई थी, लेकिन बाद में तलाक हो गया। इसके बाद उन्होंने 2010 में नचिकेत पंतवैद्य से शादी की, जो सोनी एंटरटेनमेंट टीवी के हेड हैं। उनकी एक प्यारी बेटी भी है। सोनाली कुलकर्णी आज भी फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी में सक्रिय हैं। उनकी बहुभाषी प्रतिभा ने उन्हें भारतीय सिनेमा का एक अनोखा और प्रेरणादायक चेहरा बना दिया है।